

## मॉड्यूल - 2

विभिन्न संरचना, पोस्टर और  
बनावट का निर्माण



टिप्पणियाँ

# 6

## बनावट का निर्माण और छपाई

चित्रकला में पोत एवं छापा चित्रण तकनीक का एक महत्वपूर्ण स्थान है। पोत के बिना एक सादृश्यमय चित्र बनाना संभव नहीं है। किसी चित्र की अनेक अनुकृतियाँ कलाकार छापा चित्रण की विभिन्न तकनीकों द्वारा ही प्राप्त करता है। चित्रकला में पोत एवं छापा चित्रण में आधारभूत तत्व धरातलीय गुण होते हैं। जैसे- विभिन्न प्रकार के पोत से पेड़ की सतह का खुदरापन, पत्थर की कठोरता, संगमरमर का चिकनापन एवं लकड़ी के ब्लॉक के रेशों का धरातलीय गुण इत्यादि। छापा चित्रण तकनीक में हम धरातलीय गुण को मुद्रण प्रक्रिया द्वारा प्राप्त कर लेते हैं। जब हमें वस्तु के पोत का सादृश्यमय चित्रण करना होता है तो हम चित्रकला के अन्य तत्व रेखा, रूप, वर्ण, तान के माध्यम से पोत का सादृश्यमय चित्रण पेंसिल, रंग तथा ब्रश इत्यादि की सहायता से अपने चित्रतल जैसे- ड्राइंग शीट (कागज), कैनवास तथा कपड़े इत्यादि पर करते हैं। छापा पद्धति में विविध पोत प्राप्ति हेतु हम विभिन्न प्रकार के तकनीकी औजारों जैसे- लिनो कटिंग टूल्स, वुड कटिंग टूल्स, एचिंग एवं इंग्रेविंग टूल्स तथा स्क्रीन प्रिंटिंग एवं लीथोग्राफी छापा चित्रण पद्धति में प्रयुक्त होने वाले रासायनिक मिश्रण एवं टूल्स का उचित प्रयोग करके विभिन्न प्रकार के सादृश्यमय एवं आधुनिक शैली के छापा चित्रों का सृजन करते हैं।



### उद्देश्य

इस पाठ के अध्ययन के बाद आप :

- चित्रकला में पोत के महत्व को स्पष्ट कर सकेंगे;
- विभिन्न प्रकार के पोत एवं उनकी सृजन प्रक्रिया को प्रस्तुत कर सकेंगे;
- विभिन्न प्रकार के पोत को पहचान सकेंगे;
- आधुनिक कलाकारों ने पोत को अपने चित्रों में किस प्रकार से प्रयोग में लिया है, इसकी भी जानकारी प्राप्त कर उल्लेख कर सकेंगे;

## बनावट का निर्माण और छापाई

- विभिन्न प्रकार की छापा चित्रण प्रणाली एवं तकनीकों का वर्णन कर सकेंगे;
- लकड़ी के ठप्पों, फल-सब्जियों एवं अंगूठा एवं अंगुलियों के छापों के द्वारा चित्रण कर सकेंगे।

### 6.1 आवश्यक सामग्री

- ड्राइंग बोर्ड
- ड्राइंग शीट
- कपड़ा (मुद्रण हेतु)
- रंग, जलरंग, तैल रंग, कपड़ा रंगने के रंग (डाई कलर)
- पेंसिल-एचबी, 2बी, 4बी, 6बी
- बुश
- स्याही, स्याही रोलर
- पोत सृजन हेतु विभिन्न माध्यम, जैसे- कपड़ा, दूधब्रश, लोहे की जाली, टाट, खादी का कपड़ा इत्यादि। लकड़ी के ठप्पे, विभिन्न प्रकार के फल एवं सब्जियाँ, फूल-पत्ते इत्यादि।

### 6.2 पोत (टेक्सचर) का सृजन

पोत चित्रण का वह महत्वपूर्ण तत्व है, जिसके अभाव में एक सादृश्यपूर्ण चित्र का सृजन नहीं किया जा सकता। अन्तराल कला का महत्वपूर्ण अंग है। अन्तराल वह स्थान है जहाँ पर कलाकार रेखाओं के माध्यम से रूप का निर्माण करता है। यदि कलाकार रेखाओं के माध्यम से एक यथार्थवादी रूप का सृजन करता है एवं तान (टेक्सचर) व वर्ण के माध्यम से उसमें हूबहू सजीव रंगाकन करता है, तब भी यह चित्र पोत के अभाव में पूर्ण सादृश्यमय नहीं बन सकता। जैसे, यदि वह पेड़ का चित्र बनाता है और पेड़ के तने में जैसा दिखाई देता है वैसे ही वर्ण में तान का उपयोग करता है परन्तु पोत (टेक्सचर) का उपयोग नहीं करता है तो दर्शक, पेड़ का तना नीम का है, पीपल का है या बरगद का है यह नहीं पहचान पाएगा, जब तक कि चित्रित तने में सजीव पोत (टेक्सचर) का उपयोग नहीं किया जाएगा।

मुख्य रूप से पोत (टेक्सचर) तीन प्रकार के होते हैं:

#### 6.2.1 प्राकृतिक पोत (टेक्सचर)

प्राकृतिक पोत वह होता जो हमें प्रकृति में देखने को मिलता है, जैसे पेड़ की छाल का खुरदापन, पत्थर का कठोरपन, संगमरमर का चिकनापन, लकड़ी के रेशे इत्यादि। जैसा कि चित्र 6.1 में दिखाया गया है।

## मॉड्यूल - 2

विभिन्न संरचना, पोस्टर और बनावट का निर्माण



टिप्पणियाँ

## मॉड्यूल - 2

विभिन्न संरचना, पोस्टर और  
बनावट का निर्माण



टिप्पणियाँ



चित्र 6.1

### 6.2.2 अनुकृत पोत ( टेक्सचर )

अनुकृत पोत वह होता है जो हमें प्रकृति से प्राप्त तो होते हैं लेकिन कलाकार इन्हें द्वि-आयामी चित्रभूमि पर अनुकृत करता है। इस अनुकरण हेतु वह विभिन्न प्रकार की रेखाओं, छोटे-छोटे रूपों एवं रंग व तान के माध्यम से हूबहू वैसा ही चित्रित कर लेता है जैसा कि प्रकृति ने उस वस्तु विशेष में निरूपित किया है। जैसा कि चित्र 6.2 में दिखाया गया है।

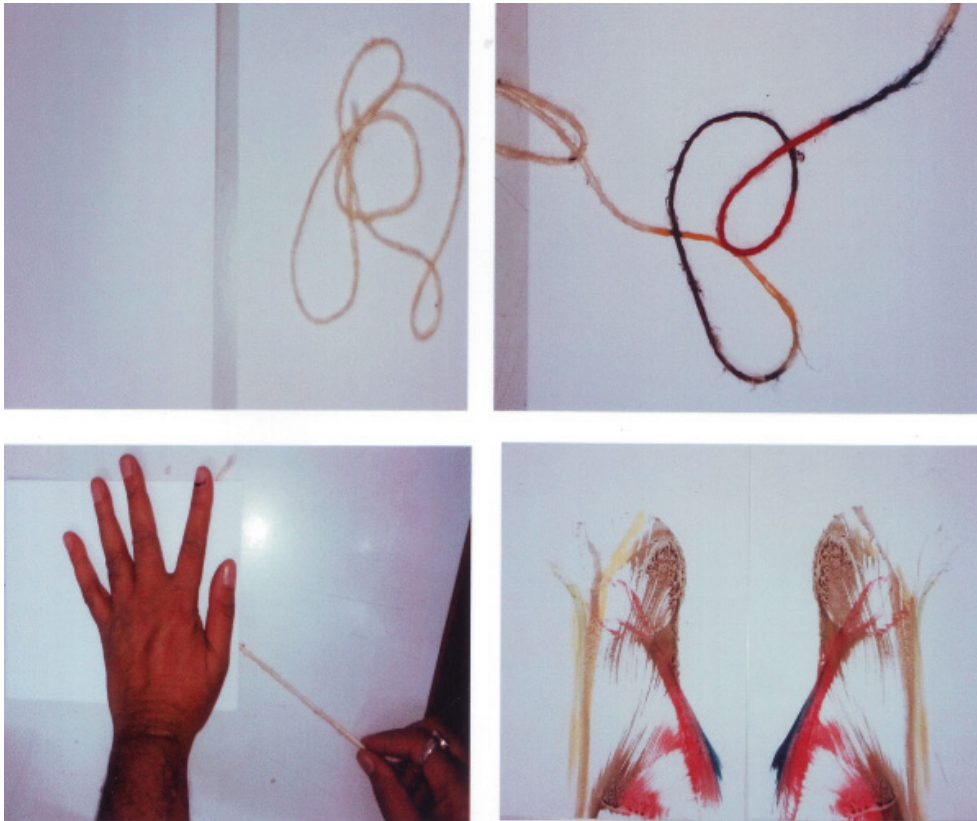


चित्र 6.2



### 6.2.3 सृजित पोत (टेक्सचर)

सृजित पोत वह होता है, जो कलाकार अपने कला के उपकरणों से एवं विभिन्न प्रकार से उनका उपयोग करके नये-नये पोत का सृजन करता है। जैसे पानी में तैल रंग को तेल में मिलाकर पानी में फैलाते हैं तो उसमें विभिन्न प्रकार के सुन्दर-सुन्दर पोतों का निर्माण होता है। इसी प्रकार एक धागे को विभिन्न रंगों में डुबोकर जब दो ड्राइंग शीट के बीच में रखकर, दबाव देकर धागे को एक सिरे से खींचते हैं तो दोनो ड्राइंग शीट में बहुत ही सुन्दर पोत का सृजन होता है। इसी प्रकार से स्पंज अथवा टाट से, लोहे की जाली से, पेड़ की छाल से अथवा पत्तों पर रंग लगाकर विभिन्न प्रकार के पोत (टेक्सचर) का सृजन कर सकते हैं। जैसा कि चित्र 6.3 में दिखाया गया है।



चित्र 6.3

भारतीय एवं पश्चिमी चित्रकला में पोतों के माध्यम से बहुत ही सुन्दर यथार्थवादी शैली में चित्रण किया गया है, जिन्हें देखकर दर्शक उस वस्तु के वास्तविक स्वरूप को आसानी से पहचान लेते हैं। आधुनिक कलाकारों ने भी अपने चित्रों में सादृश्यमय एवं कहीं-कहीं पर अमूर्त रूपों में भी विभिन्न प्रकार के पोतों का सृजन करके दर्शक को आश्चर्यचकित कर दिया है एवं एक अन्य लोक की परिकल्पना को भी साकार कर दिया है। जैसे विन्सेंट वैनगो ने अपने चित्रों में तूलिका के माध्यम से तैल रंग के मोटे-मोटे धब्बों से बहुत ही सुन्दर पोतयुक्त चित्रों का चित्रण किया है, जैसे सनफ्लावर और स्टेरीनाइट इत्यादि।

## मॉड्यूल - 2

## बनावट का निर्माण और छपाई

विभिन्न संरचना, पोस्टर और  
बनावट का निर्माण

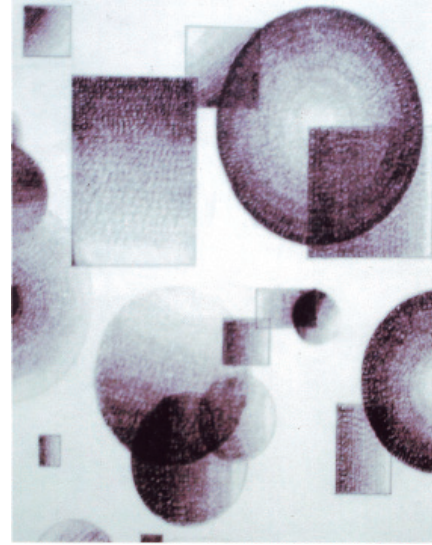


टिप्पणियाँ

शिक्षार्थी नीचे दिए गए उदाहरणों से अपनी ड्राइंग शीट पर विभिन्न प्रकार के अनुकृत एवं सृजित पोतों का चित्रण करेंगे, जैसे कि चित्र 6.4, 6.5, 6.6 में दिखाया गया है।



चित्र 6.4



चित्र 6.5



चित्र 6.6



चित्र 6.6(क)

### 6.3 पोत सृजन की पद्धति

प्रकृति पोत के उदाहरण जो हमें प्रकृति में देखने को मिलते हैं, जैसे विभिन्न पेड़ों की छाल, लकड़ी के विभिन्न प्रकार के रेशे, फल-फूल, सब्जियों और पत्तियों के विभिन्न पोत। इन्हें जब हम वर्ण, तान एवं रेखाओं के माध्यम से हूबहू चित्रित करते हैं तो वह 'अनुकृत पोत' कहलाते हैं।

कुछ अनुकृत पोत की प्राप्ति हेतु हम उन्हें चित्रपट के नीचे रखकर भी उसका प्रभाव प्राप्त कर सकते हैं, जैसे- लोहे की विभिन्न जालियों को, हार्डबोर्ड के पोत को, लकड़ी के रेशों को, बोरी के टाट को, खादी के कपड़े को चित्रपट के नीचे रखकर जब हम 4बी और 6बी पेंसिल को या ड्राई पेस्टल और आयल पेस्टल कलर को दबाकर चलाते हैं और लगाते हैं तो वास्वविक पोत हूबहू हमारा चित्र बन जाता है। इस प्रकार के विभिन्न पोत को चित्रभूमि में विभिन्न रूपों में संयोजित करके हम बहुत सुन्दर-सुन्दर चित्र संयोजन कर सकते हैं।

#### विधि

हम सबसे पहले उचित पोत का चुनाव करेंगे, जिसके प्रयोग से हम अपने चित्र धरातल पर अर्थात् ड्राइंग शीट पर सुन्दर चित्र का सृजन करेंगे। हम एक लकड़ी के पट्टे को ड्राइंग शीट के नीचे रखेंगे। इस पट्टे के ऊपर रखी हुई ड्राइंग शीट पर अपने अनुभव के आधार पर एक सुन्दर चित्र का सृजन करेंगे। इस चित्र में हम 6बी पेंसिल को जब दबा कर चित्रण करेंगे तो नीचे पट्टे पर जो पोत है वह हमारी ड्राइंग शीट पर, हमारे चित्र में हूबहू बन जाएगी, तब एक सुन्दर चित्र का सृजन होगा। इस प्रकार हम विभिन्न प्रकार के पोत को चित्र भूमि पर उकेर सकते हैं। जैसे लोहे की जाली, बोरी का टाट, पत्थर के रेशे इत्यादि।

### 6.4 मुद्रण प्रक्रिया

चित्रकला में मुद्रण से तात्पर्य छापा चित्रण से है। सर्वप्रथम मुलायम पत्थर उसके पश्चात् लकड़ी के छोटे-छोटे ठप्पों से छापा चित्रण का कार्य कागज एवं कपड़ों पर किया जाता था। प्रारम्भ में छापा का प्रयोग सरकारी दस्तावेजों को सत्यापित एवं हस्ताक्षरित करने हेतु राजा-महाराजा किया करते थे। धीरे-धीरे लकड़ी के ठप्पों से कपड़ों पर सुन्दर अलंकरण भी छापा जाने लगे। इस पद्धति का मुख्य लाभ यह है कि लकड़ी के ठप्पों से हम बहुत बड़ी संख्या में उनकी अनुकृतियों एवं प्रतिलिपियों को छाप सकते हैं।

कला में छापा चित्रण की विभिन्न पद्धतियाँ एवं तकनीक निम्न हैं :

#### 6.4.1 काष्ठ फलक (वुडकट)

इस विधि में छोटे ब्लॉक में दो तल अर्थात् एक उभरा हुआ तल तथा दूसरा गहरा, कटा हुआ तल, लकड़ी काटने के विभिन्न औजारों द्वारा बनाते हैं। इस ब्लॉक के उभरे तल पर रोलर से स्याही लगाकर उसके ऊपर कागज रखकर प्रिंट लेते हैं। छापा चित्रण पद्धति में मुख्य बात यह है कि हमें जो भी चित्र बनाना होता है वह ब्लॉक में उल्टा बनाते हैं जिससे कि प्रिंट होने पर वह सीधा दिखाई दे। इस पद्धति में हमारा चित्र गहरे कटे हुए धरातल में भी हो सकता है, जिसे हम खुदा हुआ तल प्रक्रिया कहते हैं, तथा उभरी हुई सतह पर भी चित्र का निर्माण कर सकते



टिप्पणियाँ

## मॉड्यूल - 2

विभिन्न संरचना, पोस्टर और  
बनावट का निर्माण



टिप्पणियाँ

हैं। इसे उभरी हुई सतह विधि कहते हैं। जैसा कि चित्र 6.7 सैंट थामस नामक काष्ठ फलक (वुडकट) चित्र में बनाया है।



चित्र 6.7

### 6.4.2 लिनोनियम कट ( लिनोकट )

यह विधि भी बुड कट तकनीक की भाँति ही है। इसमें भी दो तल बनाकर प्रिंटिंग की जाती है, परन्तु लिनोनियम, लकड़ी की तुलना में आसानी से कट जाता है क्योंकि यह एक प्रकार के रबर की शीट होती है, जिसके पीछे टाट लगा होता है। चित्र 6.8 में लिनोकट में बना घुड़सवार का छापाचित्र दिखाया गया है।



चित्र 6.8

## अभ्यास 1

### लिनो मुद्रण करें

लिनोकट एक मुद्रण प्रक्रिया का तकनीक है, जिसमें एकलिनो शीट सतह के लिए उपयोग किया जाता है।

### प्रथम चरण

पहला चरण में एक पेंसिल ड्राइंग खींचना है। फिर इसे लिनो में स्थानांतरण करने की आवश्यकता है। आप सीधे लिनो पर भी बना सकते हैं (चित्र 6.9 तथा 6.9(क))।



चित्र 6.9



6.9(क)

### द्वितीय चरण

एक बार ड्राइंग को लिनो में स्थानांतरित करने के बाद, आप स्याही के साथ डिजाइन को काला गहरे कर सकते हैं। फिर लिनो को बनाने के लिए कार्टन के उपकरण का उपयोग करें और डिजाइन को रेखांकित करने के लिए अच्छे टूल का उपयोग करें। लिनो को रंगने के लिए ब्रश कलम का उपयोग करें (चित्र 6.10, 6.10(क) और 6.10(ख))।



चित्र 6.10



6.10(क)



6.10(ख)

### तृतीय चरण

एक ही आकार का कागज लें और इसे डिजाइन पर रखें। अब आप पेपर के पीछे दबाव लागू करने के लिए अपने हाथ का रोलर या दो हाथों या चम्मच के पिछले हिस्से का उपयोग करें। आपके पास एक नया और घर का बना लिनो मुद्रण होगा (चित्र 6.11, 6.11(क) और 6.11(ख))।

## मॉड्यूल - 2

विभिन्न संरचना, पोस्टर और बनावट का निर्माण



टिप्पणियाँ



## मॉड्यूल - 2

विभिन्न संरचना, पोस्टर और  
बनावट का निर्माण



टिप्पणियाँ

बनावट का निर्माण और छापाई



चित्र 6.11



6.11(क)



6.11(ख)

### 6.5 जिंक प्लेट उत्कीर्णन (Engraving)

इस विधि में एक समतल जिंक प्लेट ली जाती है जिसके उपर विभिन्न प्रकार के इंग्रेविंग टूल्स से खुदाई व नक्काशी की जाती है। इस विधि का मुख्य चित्रकार अल्बर्ट ड्यूरर था। इस विधि में औजारों से खुदाई करने के पश्चात् रबर के सॉफ्ट रोलर से अथवा अंगूठे से प्लेट पर स्याही लगाई जाती है ताकि कटे भाग में स्याही बैठ जाए। तत्पश्चात् अखबारी कागज़ के टुकड़ों से प्लेट की स्याही को धीरे-धीरे साफ कर लेते हैं। अब हम देखते हैं कि जहाँ-जहाँ पर हमने खुदाई और नक्काशी की थी उस-उस हिस्से में स्याही लगी रह गई है। जिस कागज (हैंडमेड पेपर) पर मुद्रण करना होता है उस कागज को हम एक-दो घण्टे पहले पानी के ट्रे में डाल देते हैं, जिससे कागज मुलायम हो जाए। इस कागज को पानी से निकाल कर, कागज को ब्लॉटिंग पेपर से सुखाकर, प्रिंटिंग मशीन, जहाँ पर प्लेट रखी हुई होती है उसके ऊपर रख देते हैं, फिर भारी रोलर्स से दबाव डालकर प्रिंट लेते हैं। जैसा कि चित्र 6.12 में अन्ड्रिया माण्टेन्ना द्वारा बनाया गया मैडोना एवं चाइल्ड का छापा चित्र दिखाया गया है।



(41)  
Andrea Mantegna (1431–1506)  
*Madonna and child*  
copperplate engraving, 210 x 221

चित्र 6.12



टिप्पणियाँ

### 6.5.1 जिंक प्लेट एचिंग (Etching)

यह प्रक्रिया भी इंग्रेविंग की भाँति जिंक या कॉपर प्लेट पर की जाती है। इसमें मुख्य अन्तर यह होता है कि इंग्रेविंग में हम सीधे इंग्रेविंग टूल्स से गहराई को खोदते हैं जबकि एचिंग में रासायनिक प्रक्रिया द्वारा जिंक प्लेट पर रासायनिक पदार्थ (बिटुमिन पाउडर, बेनजोल, पीला मोम और सफेद मोम से बने रसायन) को तल पर लगा लेते हैं, फिर चित्र के अनुसार टूल्स से जिंक प्लेट पर से रसायन को टूल्स से हटा लेते हैं। जिससे हमें प्लेट साफ दिखाई देने लगती है। इस प्लेट को जब हम पानी मिश्रित तेजाब में डालते हैं तो यह जिंक प्लेट तेजाब द्वारा ड्राइंग वाले हिस्से से खुद जाती है, जिसे अंग्रेजी भाषा में एचिंग कहते हैं। अंत में इंग्रेविंग विधि की भाँति कागज पर मुद्रण कर लेते हैं। जैसा कि चित्र 6.13 में 'नीला पक्षी' नामक चित्र दिखाया गया है जो इस कला का उत्तम उदाहरण है।



चित्र 6.13

### 6.5.2 स्क्रीन प्रिंटिंग पद्धति

यह पद्धति मुख्य रूप से स्टेन्सिल पद्धति का ही आधुनिक रूप है। जैसा कि चित्र 6.14 में स्क्रीन प्रिंटिंग द्वारा बनाए गए एक पोस्टर चित्र में मदर टेरेसा की गोद में बच्चा दिखाया गया है।

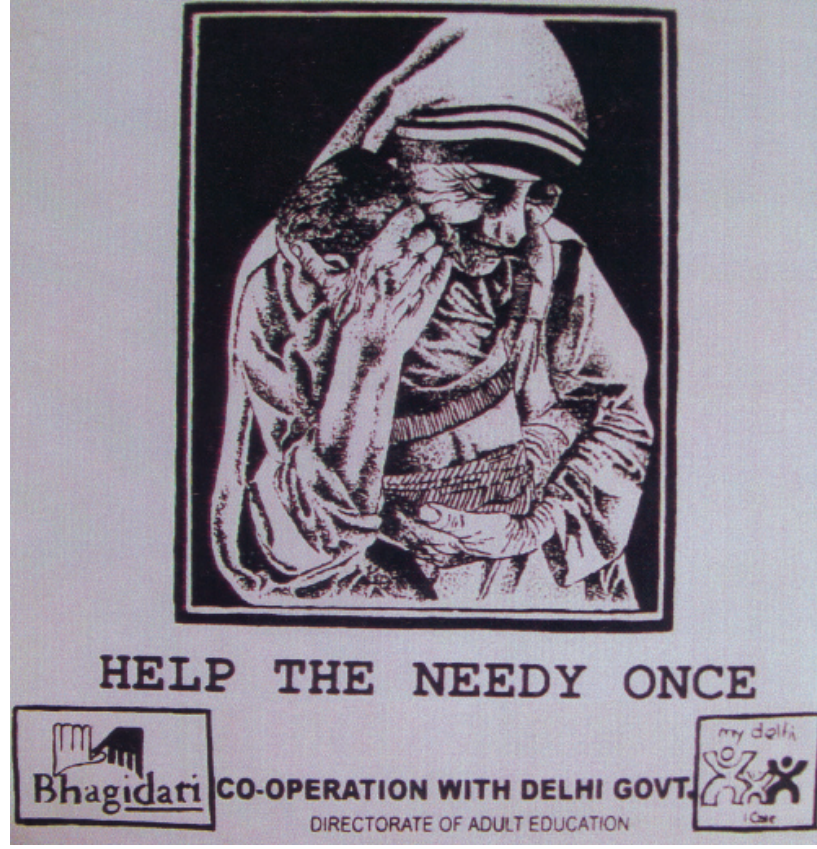
## मॉड्यूल - 2

बनावट का निर्माण और छापाई

विभिन्न संरचना, पोस्टर और  
बनावट का निर्माण



टिप्पणियाँ



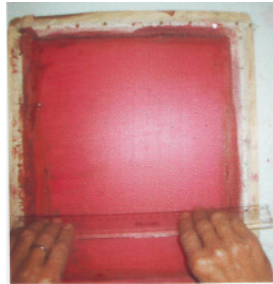
चित्र 6.14

### अभ्यास 2

एक स्क्रीन मुद्रण बनाइए

प्रथम चरण

रेशम के एक टुकड़े को फ्रेम पर कसकर कीलों से तैयार कीजिए। पीएवी (PVA) और अमोनिया डाइक्रोमेट के मिश्रण को कपड़े पर लगाया जाता है और एक अंधरे कमरे में सूखने दिया जाता है क्योंकि मिश्रण प्रकाश के प्रति प्रतिक्रिया करता है।



चित्र 6.15



चित्र 6.15(क)



### द्वितीय चरण

जैसे ही, शीट सूख जाती है। कलाकार इस पर अपने स्याही ड्राइंग (ट्रेसिंग कागज या ट्रेसिंग फिल्म पर) रखता है।



चित्र 6.16



चित्र 6.16(क)

### तृतीय चरण

स्क्रीन के ऊपर एक काँच की शीट रखी जाती है और फ्रेम को सूरज की रोशनी में रखा जाता है। सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने वाले क्षेत्रों पर रसायन चिपक जाता है और उसे अपारदर्शी बना देता है। चित्र की स्याही में ढँके क्षेत्र अप्रभावित रहते हैं और रसायन नरम रहता है।



चित्र 6.17



चित्र 6.17(क)

### चौथा चरण

जब फ्रेम को पानी में धोया जाता है, तो नरम रसायन घुल जाता है, जिससे एक पारदर्शी क्षेत्र उजागर हो जाता है। एक ड्राइंग शीट को प्रिंटिंग टेबल पर रखा जाता है और फ्रेम को टेबल पर रखा जाता है ताकि इसे आसानी से शीट पर उतारा जा सके।



चित्र 6.18



चित्र 6.18(क)

## मॉड्यूल - 2

विभिन्न संरचना, पोस्टर और  
बनावट का निर्माण



टिप्पणियाँ

### पाँचवा चरण

जब सिल्क स्क्रीन पर स्याही लगाई जाती है। यह पारदर्शी जाल से होकर गुजरता है और शीट पर चिपक जाता है।



चित्र 6.19



चित्र 6.19(क)

### छठा चरण

अंत में, स्क्रीन मुद्रण तैयार है।



चित्र 6.20

### 6.6 लिथोग्राफी

इस विधि में लिथो स्टोन का प्रयोग किया जाता है जो चूना पत्थर का होता है। इस पत्थर पर रासायनिक प्रक्रिया द्वारा दो तल बनाता है एक जहाँ पर स्याही लग जाती है, दूसरा तल जहाँ पर स्याही नहीं लगती है। लिथोस्टोन पर कार्य करने के लिए लिथो चॉक इत्यादि का प्रयोग किया जाता है। बाकी हिस्से पर ऐरेबिक गोंद लगाकर रासायनिक प्रक्रिया द्वारा दो तल का निर्माण कर लेते हैं। यह प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात इस लिथो स्टोन पर रोलर से इंक लगाकर इसके ऊपर ड्राइंग शीट रखकर ऊपर से दबाव डालकर प्रिंट ले लेते हैं। जैसा कि चित्र 6.21 में दर्शाया गया चित्र लिथोग्राफी तकनीक द्वारा बनाया गया है।



चित्र 6.21

### 6.6.1 आलू के ब्लॉक से मुद्रण

बनावट और मुद्रण के विभिन्न तकनीकों से अपने आप को परिचित करें। बाद में, आसानी से उपलब्ध फलों, पत्तियों और सब्जियों का उपयोग करके छपाई के कुछ सरल रूपों का अभ्यास करें।

#### अभ्यास 3

#### आलू से छापा चित्रण

हम सबसे पहले आलू के ठप्पे से छापा चित्रण करना सीखेंगे। यह सबसे आसान एवं सरल और सर्वत्र उपलब्ध सामग्री है। चित्र संख्या 6.22 के अनुसार हम एक बड़े आलू को साफ करके बीच से दो भागों में काट लेंगे।



चित्र 6.22

## मॉड्यूल - 2

विभिन्न संरचना, पोस्टर और बनावट का निर्माण



टिप्पणियाँ

## मॉड्यूल - 2

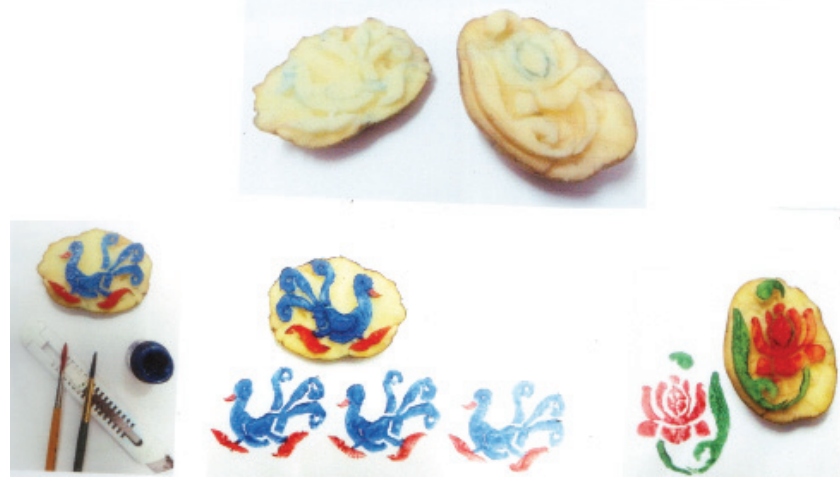
विभिन्न संरचना, पोस्टर और  
बनावट का निर्माण



टिप्पणियाँ

बनावट का निर्माण और छापाई

इस कटे हुए हिस्से पर कार्बन पेंसिल से इच्छित ड्राइंग कर लेंगे। क्योंकि आलू में गीलापन होता है इससे कार्बन पेंसिल की ड्राइंग साफ दिखाई देती है। अब जिस हिस्से को प्रिंट करना होता है उस हिस्से को उभरा छोड़कर बाकी के हिस्से को हम काटकर निकाल देंगे। (चित्र 6.23)



चित्र 6.23

इसके पश्चात इसके ऊपर पोस्टर रंग लगाकर छाप लेंगे। यह छापा हम विभिन्न दूरियों पर अलंकरण के अनुसार छाप कर इनकी पुनरावृत्ति कर लेंगे। एक ही रंग होने के कारण सारे छापों की पुनरावृत्ति एक जैसी होगी। (चित्र 6.24)

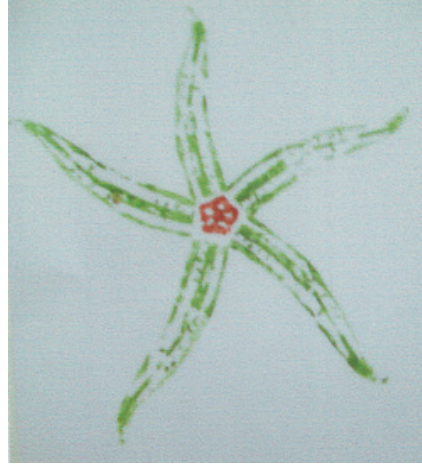


चित्र 6.24

### भिंडी से छापा चित्रण



चित्र 6.25



चित्र 6.26



चित्र 6.26(क)

लकड़ी के छापे बनाने की भी यही विधि एवं तकनीक है। इसमें भी एक सतह उभरी तथा दूसरी सतह गहरी होती है। लकड़ी के छापों से हम कपड़ों पर विभिन्न प्रकार के सुन्दर-सुन्दर अलंकरण छाप सकते हैं। आज भी यह तकनीक राजस्थान के सांगानेर और बाड़मेर जिले में तथा देश-विदेश में कपड़ों की छपाई हेतु प्रसिद्ध है। दक्षिण भारत में लकड़ी के बड़े-बड़े छापों से देवी-देवताओं की बाहय रेखीय ड्राइंग के प्रिंट निकालकर, उनमें विभिन्न रंग भरकर अच्छे-अच्छे चित्रों का सृजन करते हैं।

## मॉड्यूल - 2

विभिन्न संरचना, पोस्टर और  
बनावट का निर्माण



टिप्पणियाँ



## मॉड्यूल - 2

बनावट का निर्माण और छपाई

विभिन्न संरचना, पोस्टर और  
बनावट का निर्माण



टिप्पणियाँ



### आपने क्या सीखा

#### पोत ( टेक्सचर ) और मुद्रण

- समकालीन कला का अभिन्न अंग
- चित्रकारी के लिए समानता प्रदान करता है
- चित्रण के प्रति यथार्थवाद
- कोलाज में प्रयोग होता है
- कला की विकसित शैली
- मुद्रण करना
- कला की शैली माना जाता है



### पाठांत प्रश्न

1. पाठ में दी गई विधि के अनुसार प्रत्येक विद्यार्थी फल-सब्जी एवं अन्य माध्यमों से विभिन्न प्रकार के पोतों के छापों का चित्रण करें।
2. हाफ ड्राइंग शीट पर किन्हीं दो छापों को लेकर उनकी पुनरावृत्ति एवं अनुक्रम द्वारा एक चित्रण करें।
3. विभिन्न प्रकार के प्राप्त पोतों को रंगों एवं ब्रुश के द्वारा अनुकृत करें।
4. चित्रकला के विभिन्न माध्यमों, जैसे- पेंसिल, पेस्टल रंग, जल रंग, तैल रंग से विभिन्न प्रकार के अमूर्त चित्रों का सृजन करें।
5. बाजार से विभिन्न प्रकार के लकड़ी के ब्लॉक का संग्रह करें अथवा स्वयं लकड़ी के ब्लॉक पर दो तरह के तल बनाकर छापा चित्रण करें।
6. विभिन्न प्रकार की लकड़ियों के टुकड़े के ऊपर मोम लगाकर कुछ अलंकरण बनाकर उसके ऊपर पोस्टर रंग लगाकर उसका छापा लेंगे।

#### शब्दकोश

लिनोनियम

एक प्रकार का रबर

लिथोग्राफी

एक प्रकार के पत्थर की सतह से छपाई करना